



प्रकाशक - स.प्र.प्र.सं. पुस्तकालय

जनवरी 2026

खंड - 4, अंक - 12

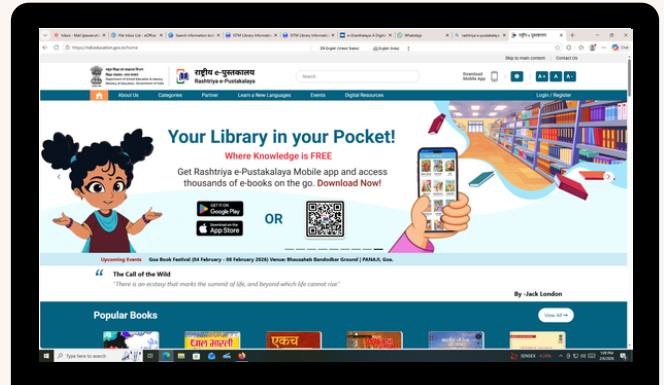
आई.एस.टी.एम. लाइब्रेरी इन्फॉर्मेशन बुलेटिन

इस सूचना बुलेटिन का उद्देश्य आईएसटीएम पुस्तकालय की सेवाओं और गतिविधियों के बारे में जागरूकता फैलाना है और सभी उपयोगकर्ताओं के उपयोग के लिए ओपन एक्सेस के रूप में उपलब्ध अनुसंधान और प्रबंधन उपकरणों के बारे में जानकारी प्रदान करना है।

राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय

[राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय](#) एक डिजिटल पुस्तकालय है, जिसका शुभारंभ माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा 10 फ़रवरी 2024 को किया गया। यह शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा विकसित किया गया है और विशेष रूप से देश के बच्चों और युवाओं के लिए अभिकल्पित है। ज्ञान, साहित्य और कहानियों के एक समग्र राष्ट्रीय भंडार के रूप में यह मंच पठन को आनंददायक और सभी के लिए सुलभ बनाने का लक्ष्य रखता है।

इस परियोजना का उद्देश्य बच्चों में पढ़ने के प्रति आजीवन रुचि विकसित करना तथा युवाओं में भारत की समृद्ध और विविध विरासत, संस्कृति और उपलब्धियों के प्रति गर्व की भावना जागृत करना है। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी ज्ञान का एक केंद्रीय केंद्र बनने का प्रयास करती है।



राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय विभिन्न विधाओं की पुस्तकों तक असीमित पहुँच प्रदान करता है, जिनमें कथा-साहित्य, गैर-कथा, कॉमिक्स, कविताएँ (राइम्स) और चित्र पुस्तकें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, कला और संस्कृति, तथा यात्रा और अन्वेषण जैसे अत्यधिक लोकप्रिय विषयों पर भी साहित्य उपलब्ध है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की परिकल्पना के अनुरूप इस पुस्तकालय को चार आयु-विशिष्ट श्रेणियों में सुव्यवस्थित किया गया है: 3-8 वर्ष, 8-11 वर्ष, 11-14 वर्ष और 14+ वर्ष।

सुलभता के अपने उद्देश्य के अनुरूप, राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय ऐप वेब, एंड्रॉयड और iOS प्लेटफ़ॉर्म पर उपलब्ध है। 200 से अधिक प्रतिष्ठित प्रकाशकों की 6000+ गैर-शैक्षणिक पुस्तकों के साथ, 22 भारतीय भाषाओं और अंग्रेज़ी में उपलब्ध यह मंच भौगोलिक और भाषाई सीमाओं को पार करते हुए यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक बच्चा गुणवत्तापूर्ण साहित्य पढ़ने का आनंद ले सके।



चित्र तथा जानकारी का सोर्स <https://ndleducation.gov.in/home>



इस विषय पर अधिक जानकारी अथवा उपयोग हेतु दिए गए QR कोड को अपने मोबाइल कैमरे से स्कैन करें।

कृपया इस सूचना बुलेटिन के आगामी अंकों में अधिक जानकारी के लिए बने रहें।



Pub. by – ISTM Library

January 2026

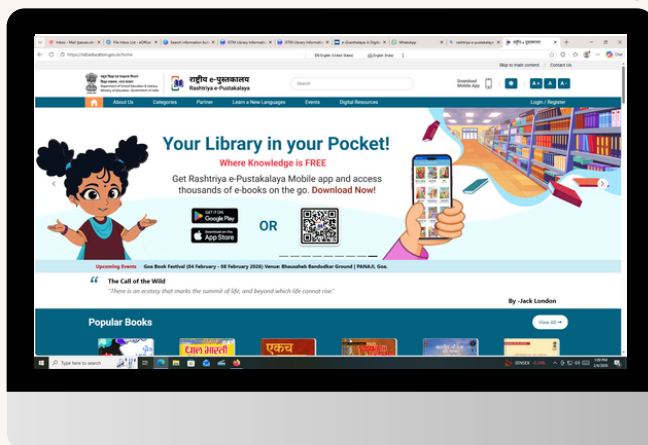
Vol. – 4, Issue – 12

ISTM Library Information Bulletin

The purpose of this Information Bulletin is to spread awareness about the services and activities of the ISTM Library and Research and Management Tools available as Open Access for the use of all the users.

RASHTRIYA E-PUSTAKALAYA

[Rashtriya e-Pustakalaya](#) is an innovative digital library launched by the Hon'ble Minister of Education, Shri Dharmendra Pradhan on February 10, 2024. Developed under the Department of School Education and Literacy, Ministry of Education, it is designed especially for the children and youth of the nation. Serving as a comprehensive national repository of knowledge, literature, and stories, the platform aims to make reading joyful and accessible to all.



The project aims to cultivate a life-long passion for reading among the children and kindle a sense of pride among the youth about India's rich and diverse heritage, culture, and achievements. It also seeks to serve as a central hub of knowledge for generations to come.

Rashtriya e-Pustakalaya offers unlimited access to a diverse range of books, spanning genres like fiction, non-fiction, comics, rhymes, and picture books. It also offers literature on highly sought-after topics like Art and Culture, and Travel and Exploration. This library has been thoughtfully organised into four age-specific categories: 3-8 years, 8-11 years, 11-14 years and 14+ years, keeping in line with the vision of National Education Policy 2020.

True to its aim of accessibility, the Rashtriya e-Pustakalaya app is available on Web, Android, and iOS platforms. With over 6000+ non-academic titles from more than 200 respected publishers, and available in 22 Indian languages and English, Rashtriya e-Pustakalaya transcends all geographical and linguistic barriers to make sure every child experiences the joy of reading quality literature.

Source of the image and information: <https://ndl.education.gov.in/home>

SCAN THIS QR CODE TO KNOW MORE AND ACCESS



Please stay tuned for more information in upcoming issues of this information bulletin.



पुस्तकालय गतिविधियाँ जनवरी 2026

यह पृष्ठ पुस्तकालय में आयोजित विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करता है।

“वॉकिंग लाइब्रेरी” का आयोजन

आईएसटीएम पुस्तकालय ने 1 जनवरी 2026 को निदेशक, स.प्र.प्र.सं. एवं भारत सरकार के संयुक्त सचिव के मार्गदर्शन में “वॉकिंग लाइब्रेरी” नामक एक नई और उपयोगी पहल का आयोजन किया। इस गतिविधि का उद्देश्य संस्थान में शिक्षकों और कर्मचारियों के बीच पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना था।

इस पहल के अंतर्गत पुस्तकालय के कर्मचारियों ने अलग-अलग विषयों और रुचियों की चुनिंदा पुस्तकों के सेट तैयार किए और उन्हें लेकर प्रत्येक शिक्षक के कक्ष तथा कर्मचारियों के विभिन्न अनुभागों में पहुँचे। इससे शिक्षकों और कर्मचारियों को अपने कार्यस्थल पर ही पुस्तकों को देखने और अपनी पसंद की पुस्तकें पढ़ने के लिए चुनने का अवसर मिला।



इस अवसर पर पुस्तकालय द्वारा सभी संकाय सदस्यों और कर्मचारियों से वर्ष 2026 में कम से कम 12 पुस्तकें पढ़ने की रीडिंग प्रतिज्ञा लेने का भी अनुरोध किया गया। इस गतिविधि का बहुत अच्छा प्रभाव देखने को मिला और पुस्तकालय से पुस्तकों के निर्गमन (इश्यू) की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

उसी दिन अपराह्न में हुई फैकल्टी मीटिंग में इस पहल की निदेशक, स.प्र.प्र.सं. तथा अन्य संकाय सदस्यों द्वारा सराहना की गई। पुस्तकालय ने भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियाँ आयोजित करने का आश्वासन दिया।

अधिक जानकारी के लिए जुड़े रहें।



Library Activities

January 2026

This section presents a brief description of the various activities conducted in the library.

“WALKING LIBRARY” INITIATIVE

Under the able guidance & encouragement of Shri Rajiv Manjhi, Director, ISTM & Joint Secretary to the Government of India, the ISTM Library organised an innovative reading promotion activity titled “Walking Library” on 1st January, 2026. The initiative was aimed at encouraging a strong reading culture among faculty members and staff at the Institute.

As part of the activity, the library staff carried specially curated sets of books covering diverse genres and personally visited the rooms of faculty members as well as various sections of staff members. This unique outreach effort enabled participants to browse through the collections at their workplaces and conveniently select books of their interest for reading.



On this occasion, the ISTM Library also invited all faculty and staff members to take a Reading Pledge, committing themselves to read a minimum of 12 books during the year 2026. The response to the initiative was highly encouraging, and the library recorded a significant increase in the number of book circulations on the same day.

Later in the evening, during the faculty meeting, the “Walking Library” initiative received wide appreciation from the Director, ISTM and other faculty members, who acknowledged it as a thoughtful and impactful effort to promote reading habits. Motivated by the positive feedback, the ISTM Library assured that similar reader-centric activities would be organised in the future again.



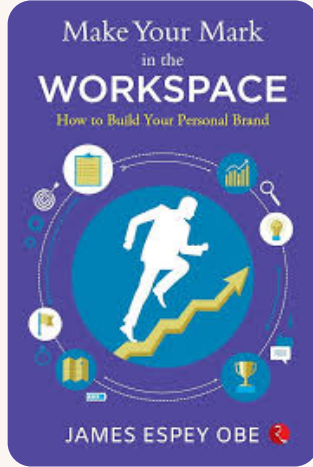
Stay tuned for more information.



नव-आगमन से / From the New Arrivals January 2026

खंड के इस भाग में नव आगमन सेक्शन से एक या दो पुस्तकों के कवर पेज के साथ साथ उनका संक्षिप्त विवरण प्रदान करता है। इसके साथ ही यहाँ नवीनतम ट्रेडिंग सामयिकियों की जानकारी भी दी जाती है।

Make Your Mark in the Workspace



Format: Book (Paperback)
Author: Obe, James Espey
Pub & Desc: New Delhi; Rupa Publications India; c2023, 181p; 19.6cm.
ISBN: 978-93-5702-129-6

It's all about: This book shares James Espey's practical business wisdom drawn from over 50 years of experience with global brands like Baileys and Malibu. Through 100 short, easy tips, it explains what real success in business looks like. Suitable for beginners to top executives, the book offers clear, encouraging advice to build careers, grow confidence, and achieve long-term professional fulfilment.

पाखी

Format: Book (Hardbound)
Author: आर्य, अनीता
Pub. & Desc. नई दिल्ली; प्रकाशन संस्थान; c2003, 328p; 22 cm.
ISBN: 81-7714-235-6

Its all about: यह उपन्यास प्रेम को एक पवित्र और मानवीय भावना के रूप में प्रस्तुत करता है। कथा केवल दैहिक आकर्षण तक सीमित नहीं रहती, बल्कि जाति, धर्म और संप्रदाय की सीमाओं से ऊपर उठकर उदात्त प्रेम की स्थापना करती है। सरल भाषा और निर्मल संवेदना के साथ यह रचना आज के उपभोक्तावादी और तनावपूर्ण समय में पाठकों को मानसिक शांति, भावनात्मक संतोष और मानवीय मूल्यों की याद दिलाती है।



पुस्तकालय में इस सप्ताह के ट्रेडिंग सामयिकियाँ

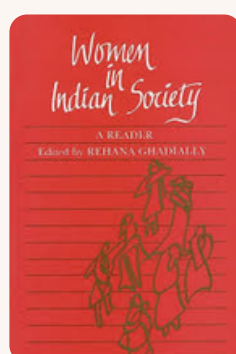
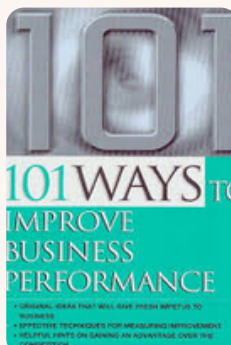
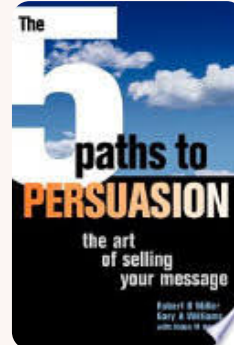
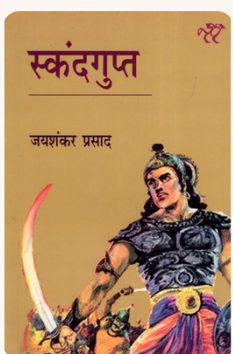
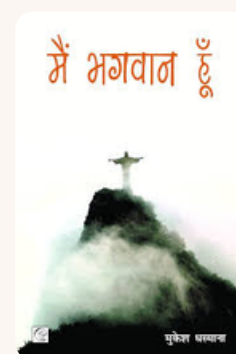
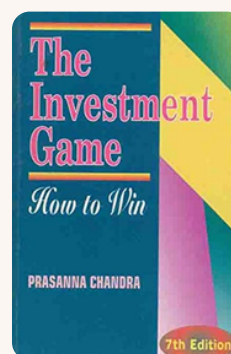
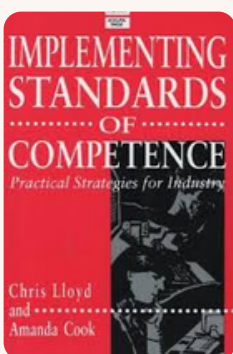
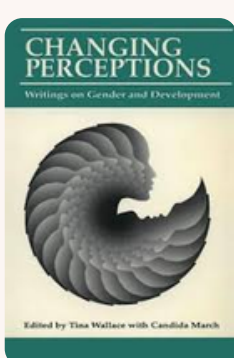
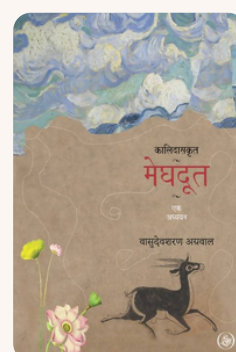
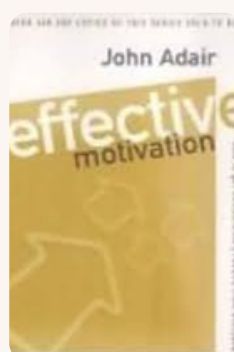
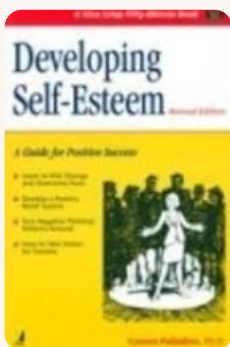
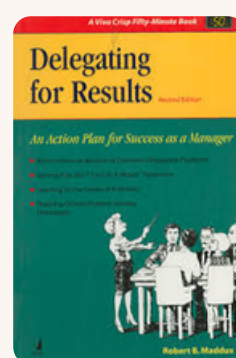
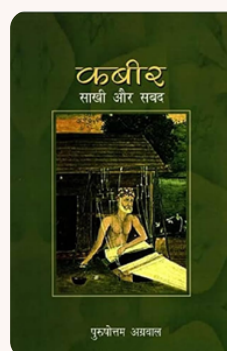


कृपया किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी, सूचना अथवा सुझाव देने के लिए पवन श्रीवास्तव, सहायक पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी से संपर्क करें। @ pawan.shrivastav@gov.in / library-istm@gov.in or @ 26737712



इस माह की लोकप्रिय पुस्तकें/ BOOKS IN TREND THIS MONTH

जनवरी / January 2026



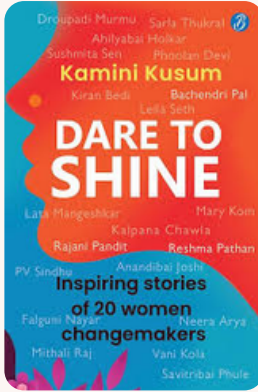
कृपया किसी भी प्रकार की अधिक जानकारी, सूचना अथवा सुझाव देने के लिए पवन श्रीवास्तव, सहायक पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी से संपर्क करें। @ pawan.shrivastav@gov.in / library-istm@gov.in or @ 26737712



पुस्तक समीक्षा / BOOK REVIEW

जनवरी / January 2026

Dare to Shine



The book *Dare to Shine* is a compendium of life accounts of twenty women who have achieved remarkable success, challenged societal norms, and fought against all odds to excel in diverse fields. The book features women born across three centuries and belonging to various walks of life. The earliest among them is the Queen of Malwa, Ahilyabai Holkar. Her reign in Indore lasted for nearly thirty years and was marked by excellent governance, law and order, and administrative efficiency. She was an able ruler and organiser, highly respected during her lifetime and revered as a saint by people after her death.

The women covered in this book come from varied fields such as politics, writing, the judiciary, space science, policing, singing, mountaineering, sports, acting, aviation, business, social reform, detective work, medicine (including Anandibai Joshi), the freedom movement, and even banditry.

The stories are deeply inspiring and touching. While reading them, the reader develops immense respect for these women, who acted as catalysts in transforming the lives of lakhs of women and reshaping the way society perceives women today. Their capabilities in adverse social conditions are portrayed through different scenarios, making them role models and motivators even in the present times.

The author's writing style is fluent and easy to follow. Once the book is started, it becomes difficult to put it down.

Some of the most impressive and must-read stories include those of Ahilyabai Holkar; private detective Rajani Pandit; stuntwoman Reshma Pathan; Savitribai Phule, educator and social reformer; Anandibai Joshi, India's first formally trained woman doctor; Leila Seth, judge; Mary Kom, boxer; and Sarla Thakral, India's first woman pilot.

The author has also included the stories of the Bandit Queen Phoolan Devi and Miss Universe Sushmita Sen. Their inclusion raises a question as to whether they truly belong in the league of these distinguished women or were included merely to complete the number mentioned in the title.

The book also features several contemporary women achievers who are impactful change-makers. While I have not listed all of them, each woman featured has faced significant challenges and emerged as an inspiration. The author has made a sincere effort to highlight their unique qualities and indomitable spirit, which paved the way for many others to enter professions that were once considered taboo for women.

This book is a must-read for everyone, especially girls, as it reinforces the belief that women and girls can achieve anything they set their minds to. The stories demonstrate that with the right guidance, support, and willpower, no barrier is insurmountable—personally or professionally.



-Namita Malik
Joint Director